

ऐतिहासिक चातुर्मास संपन्न कर युगप्रधान का प्रथम विहार

मुंबई महानगर के भीतरी भाग की
ओर अग्रसर हुए ज्योतिचरण

आध्यात्मिकता से रमणीय बनी रहे मुंबई
की जनता : महातपस्वी महाश्रमण

नंदनवन से विहार में उमड़ा
श्रद्धा का जन सैलाब



प्रवासी संदेश टीम।

मुंबई। बृहत्तर मुंबई पंचमासिक चतुर्मास परिसम्पन्न कर जैन श्वेताम्बर तैरापथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अनुशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण ने नन्दनवन से प्रातः 10:15 बजे मंगल प्रस्थान किया तो एक बार पुनः मुंबई महानगरवासियों की श्रद्धा का ज्वार उमड़ पड़ा। अपने आराध्य को चतुर्मास स्थल से विदाई देने के लिए उमड़े श्रद्धालुओं में अपने उपनगरों को आचार्यश्री के चरणस्पर्श से लाभान्वित होने का उत्साह भी स्पष्ट नजर आ रहा था। जूजते जयघोष के मध्य महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी अपनी धवल सेना संग लगभग पांच किलोमीटर का विहार कर मीरा रोड (ई.) में स्थित

पटेल हाउस में पधारे। आचार्यश्री का एकदिवसीय प्रवास यहीं निर्धारित है। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री नरेन्द्र मेहता ने भी आचार्यश्री को वंदन कर पावन आशीर्वाद प्राप्त किया। ज्योतिचरण के गतिमान होते ही मायानगरी के मार्ग एकबार पुनः अपने सौभाग्य पर इतरा उठे।

इसके पूर्व तीर्थकर समवसरण में ही आज का भी मुख्य प्रवचन कार्यक्रम निर्धारित था। विहार से पूर्व मंगल प्रवचन प्रदान करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि मुमूक्षु कृष्णा एकमात्र प्रभात हो गया है। चतुर्मास की कालावधि अब समाप्त हो गई है। जैन शासन की परंपरा के अनुसार चतुर्मास के दौरान एक ही क्षेत्र में रहना होता है और शेषकाल में उस स्थान से विहार कर देना चाहिए। चतुर्मास में एक स्थान पर

रहकर साधना, आराधना, और सेवा की सुन्दर व्यवस्था है तो शेषकाल में भी विहारण करते हुए जन-जन के कल्याण के साथ स्वयं की साधना का भी सुन्दर व्यवस्थापन है। परंपरा के अनुसार चतुर्मास के अंतिम दिनों में राजा प्रदेशी और मुनि कुमारश्रमणकेशी की कथा को आचार्यश्री ने आगे बढ़ाते हुए कहा कि मुनि कुमारश्रमणकेशी की प्रेरणा से राजा प्रदेशी नम हो गया और अपनी परंपरा को छोड़कर श्रमणोपासक बन गया।

वर्तमान समय की लोकतांत्रिक प्रणाली में भी शासन में रहने वाले लोगों में संयम, त्याग, व्रत निष्ठा और कर्तव्य परायणता को चेतना हो तो प्रणाली अच्छे ढंग से कार्य कर सकती है। शासन में यदि धर्म न हो, त्याग, संयम और व्रत

का अभाव हो तो वह शासन प्रणाली निरंकुश और प्रजा को कष्ट देने वाली हो सकती है। यदि श्रावक कार्यकर्ता हो तो धर्म की अच्छी प्रभावना हो सकती है। हम आचार्यश्री भिक्षु की परंपरा के संत हैं।

मैं मुंबईवासियों को प्रेरणा देते हुए कहना चाहता हूँ कि इस चतुर्मास के दौरान आपके जीवन में जो भी धर्म, व्रत, संयम, नियम आदि से रमणीयता आई हो, उसे बनाए रखने का प्रयास हो और अरमणीयता से बचने का प्रयास हो। यह हमारा बृहत्तर मुंबईवासियों के लिए धार्मिक-आध्यात्मिक संदेश है। आचार्यश्री ने प्रसंगवश ह्यप्रभु तुम्हारे पावन पथ पर हूँ गीत का आशिक संगान किया।

आचार्यश्री ने आगे कहा कि चतुर्मास अब सानंद

सम्पन्न हो गया है। कितने-कितने चारित्रात्माओं का यहां प्रवास हो गया। चतुर्मास के लिए बृहत्तर मुंबई में यह सुन्दर स्थान भी प्राप्त हो गया। लम्बे अंतराल के बाद ऐसा सुअवसर प्राप्त हो गया। सभी साधु-साधवियां खूब अच्छा कार्य करते रहें। गुरुकुलवास में चतुर्मास सुसम्पन्न कर बर्हिंविहार को प्रस्थान करने वाली साधवियों को आचार्यश्री ने मंगलपाठ सुनाया। चतुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री मदनलाल तातेड़ ने अपनी भावना व्यक्त की। अहिंसा भवन के स्थान प्रदान करने वाली स्वणार्जी आदि ने भी आचार्यश्री के दर्शन कर पावन आशीर्वाद प्राप्त किया। मुंबईवासियों ने अपने आराध्य के प्रति सामूहिक रूप में कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्तिक पूर्णिमा पर राजसमंद झील सहित जलाशयों पर रही भीड़ पानी पर तैराई टाटियां, जलाशयों में किए दीपदान



प्रवासी संदेश टीम।

राजसमंद। शहर समेत जिले में कार्तिक पूर्णिमा श्रद्धा के साथ मनाई गई। विभिन्न क्षेत्रों में इस दिन को देव दीवाली के रूप में भी जाना जाता है। महिलाओं ने व्रत रखा। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना हुई। जिले की पवित्र गौमती नदी, बनास नदी सहित राजसमंद झील किनारे पर दीपदान हुआ। जिले के चारभुजा ब्लॉक के सेवत्री स्थित रामदरबार एवं राजसमंद झील के नौचाकी पाल पर कार्तिक स्नान एवं दीपदान को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कार्तिक स्नान को लेकर गत चार दिनों से कार्तिक स्नान को लेकर व्रतधारी महिला-पुरुष राजसमंद झील सहित अन्य जलाशयों में भक्त डुबकी लगा रहे हैं। पांचवें दिन भी डुबकी लगा कर पूजा-अर्चना की गई। राजसमंद झील किनारे टाटियों में दीपक प्रवाह कर कार्तिक मास स्नान की पूर्णाहुति हुई।

जलाशयों में किया दीपदान: कार्तिक पूर्णिमा पर जलाशयों

में टाटियां प्रवाहित की गईं। इस दौरान राजसमंद झील किनारे सहित जिले के अन्य प्रमुख जलाशयों पर मेले सा माहौल रहा। वहीं दूसरी ओर मंदिरों में सुबह से आयोजन शुरू हो गए। शाम को मंदिरों में सेवा पूजा के विशेष आयोजन किया गया। मंदिरों में श्रद्धालुओं की दिनभर रेलमपेल लगी रही। कार्तिक मास में व्रत करने वाले श्रद्धालु टाटियां लेकर सुबह से ही जलाशयों पर पहुंचना शुरू हो गए। जहां दीपक आदि लगाकर टाटियों को पानी पर तैराई गई। यहां दीपेश्वर तालाब पर मेला लगा। सुबह से ही यहां टाटियां प्रवाहित करने वाले लोगों का जमघट लगा रहा। जो देर शाम तक जारी रहा। इससे राजसमंद झील किनारे जगमग करने लगा। टाटियों का विधिपूर्वक विसर्जन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने टाटियों में दीप प्रज्वलित कर मंगलगीत गाए। पूर्व सुबह मंदिरों में सामूहिक कथा श्रवण की। कार्तिक पूर्णिमा पर घरों एवं मंदिरों में दीपदान हुआ।

द बर्निंग ट्रक : नेशनल हाईवे 8 के त्रिनेत्र सर्कल पर चलते ट्रक में लगी आग

प्रवासी संदेश टीम।

नाथद्वारा। नगर से गुजर रहे नेशनल हाईवे नंबर 8 पर मंगलवार देर शाम चलते हुए एक ट्रक में आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची नाथद्वारा नगर पालिका की दो दमकलों और श्रीनाथजी थाना पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। थाना अधिकारी सुनील शर्मा ने बताया कि नाथद्वारा से गुजर रहे नेशनल हाईवे 8 के त्रिनेत्र सर्कल के समीप चलते ट्रक में आग लग गई। ट्रक के कैबिन में धुआं देख चालक ने ट्रक को रोका और आग लगने की लोगों को जानकारी दी। सूचना पर श्रीनाथजी थाना पुलिस मय जाबते और नाथद्वारा नगर पालिका की 2 फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इस दौरान करीब 1 घंटे तक हाईवे पर यातायात बाधित रहा। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

पुलिस की सजगता से आग पर पाया काबू

ट्रक में आग लगने पर त्रिनेत्र सर्किल पर श्रीनाथजी थाना पुलिस ने नाका बंदी की और पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, ऐतिहासिक पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट किया। पुलिस की सजगता से ट्रक को भी ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

- कैबिन में धुआं देख चालक ने रोकी ट्रक

- नाथद्वारा पालिका की 2 फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग

- आग लगने की घटना से 45 मिनट तक जाम रहा हाईवे



भाजपा के सुशासन में प्रदेश के आमजन को मिलेगी राहत : दीप्ति माहेश्वरी

प्रवासी संदेश टीम।

राजसमंद। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही आमजन को सुशासन की अनुभूति होगी। भाजपा अपने संकल्प पत्र के अनुसार ही कार्य करते हुए जनकल्याण की योजनाओं को मूर्त रूप देगी। माहेश्वरी ने कहा कि भाजपा के जनप्रतिनिधि हो या कार्यकर्ता जो कहते हैं उसको पूरा करने के दिखाते हैं। भाजपा की केंद्र सरकार ने जो भी नीतियां बनाई उसमें आमजन को केंद्र में रखकर नीतियों का निर्धारण किया है। इसी का परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में देश के 80 करोड़ से अधिक परिवार व प्रदेश के करीब 5 करोड़ से अधिक परिवार निःशुल्क खाद्य सामग्री योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार के जनप्रतिनिधि आमजन के दर्द को काफी करीब से अनुभूति करते हैं इसीलिए भाजपा की केंद्र सरकार ने महिला, स्वरोजगार, महिला उत्थान, बालिका, शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि, पेयजल, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क निर्माण योजना सहित जनकल्याण के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलाकर सीधे-सीधे आमजन को राहत पहुंचाने का काम किया है। देश में भाजपा ही एक ऐसा राजनीतिक संगठन है जो आमजन के प्रत्येक दर्द व आवश्यकताओं को पूरी ईमानदारी के साथ समझता है। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही भाजपा के संकल्प पत्र के अनुसार सबका साथ सबका विकास होगा। समाज के गरीब, दलित, विधार्थी, महिला, किसान, छात्राओं सहित समाज के प्रत्येक अभिन्न हिस्से के विकास एवं उत्थान के साथ ही प्रदेश के आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए विशेष कार्य किया जाएगा। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर उपलब्ध कराये जाएंगे। प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने, प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाने, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजनों की पेंशन बढ़ाने, गेहूँ की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य के ऊपर बोस देने, मुख्यमंत्री किसान शिक्षा प्रोत्साहन योजना शुरू करने, बेटी के जन्म पर 2 लाख सेविंग बैंड देने, प्रदेश के हर संभाग में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और मेडिकल कॉलेज खोलने सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर प्राथमिकता से कार्य किया जाएगा। दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि प्रदेश में आम जनता काग्रेस के कुशासन से काफी अधिक दुखी थी। विधानसभा के चुनावों के परिणामों में भाजपा को बंपर बहुमत प्राप्त होगा। जिले की चारों सीटों पर कमल खिलेगा।